Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
April to June 2025, E-Journal, Vol. I, Issue L (50), ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

मध्यप्रदेश में रोजगार मूलक योजनाओं का प्रभाव: उज्जैन एवं रतलाम जिलों के संदर्भ में विश्लेषणात्मक अध्ययन

पूजा झाला* डॉ. एल. एन. शर्मा **

*शोधार्थी (वाणिज्य) विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) भारत
** शोध निर्देशक (वाणिज्य) विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) भारत

शोध सारांश – यह शोध-पत्र मध्य प्रदेश सरकार की रोजगार मूलक योजनाओं के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करता है, विशेषकर उज्जैन एवं रतलाम जिलों के संदर्भ में। इन योजनाओं का उद्देश्य युवाओं, महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना है। अध्ययन में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना तथा मुख्यमंत्री कृषक उद्यमी योजना के अंतर्गत प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण किया गया। परिणाम बताते हैं कि उज्जैन जिले में लाभार्थियों की संख्या और योजनाओं की पहुँच अपेक्षाकृत अधिक रही है, जबकि रतलाम जिले में सहभागिता अपेक्षाकृत कम रही। इससे स्पष्ट होता है कि योजनाओं का प्रभाव जिलों की स्थानीय परिस्थितियों, जागरूकता एवं प्रशासनिक सहयोग पर भी निर्भर करता है।

शब्द कुंजी – रोजगार मूलक योजनाएँ, उद्यमिता, स्वरोजगार, प्रशिक्षण, आर्थिक विकास।

प्रस्तावना – भारत जैसे विकासशील देश में बेरोजगारी एक गंभीर समस्या है। इसे दूर करने के लिए सरकार द्वारा समय-समय पर विभिन्न रोजगार मूलक योजनाएँ लागू की जाती रही हैं। उद्यमिता को बढ़ावा देकर न केवल नए रोजगार अवसर उत्पन्न होते हैं, बल्कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलता है।

मध्य प्रदेश सरकार ने युवाओं एवं समाज के कमजोर वर्गों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विशेष पहल की है। इन योजनाओं का लक्ष्य केवल ऋण प्रदान करना ही नहीं है, बल्कि प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन देकर स्थायी आर्थिक विकास सुनिश्चित करना भी है।

इस शोध में उज्जैन और रतलाम जिलों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। दोनों जिलों की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि में अंतर है, जिससे योजनाओं के परिणामों में भी भिन्नता पाई जाती है। उज्जैन एक प्रमुख धार्मिक एवं शैक्षणिक केंद्र है, जबकि रतलाम अपने औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों के लिए जाना जाता है।

साहित्य समीक्षा

1. Gupta & Singh (2021) के अनुसार, मध्य प्रदेश की स्वरोजगार योजनाओं ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन दिया है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में इनका क्रियान्वयन जागरूकता की कमी और बैंकिंग प्रक्रियाओं की जटिलता के कारण सीमित रहा।
2. Joshi (2022) ने अपने अध्ययन में पाया कि महिला उद्यमियों की भागीदारी योजनाओं के माध्यम से बढ़ रही है, परंतु सामाजिक बाधाएँ और वित्तीय जोखिम की आशंका अभी भी बड़ी चुनौती बनी हुई हैं।

अध्ययन का उद्देश्य:

1. उज्जैन एवं रतलाम जिलों में युवा वर्ग उद्यमिता तथा स्टार्ट-अप की ओर आकर्षित होने का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. उद्यमिता विकास की ओर सरकार की भूमिका की जानकारी प्राप्त करना।

समंक विश्लेषण एवं विवेचना – प्रस्तुत शोध-पत्र में उपरोक्त योजनाओं का उज्जैन एवं रतलाम जिले के मध्य एक तुलनात्मक अध्ययन किया गया है, जो की निम्नानुसार है : -

1. मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का लिंग के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।
2. मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना का लिंग के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।
3. मुख्यमंत्री कृषक उद्यमी योजना का लिंग के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।

तालिका 1: उज्जैन एवं रतलाम जिले में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना कालिंग के आधार पर तुलनात्मक अध्ययनवर्ष 2014-15 से 2018-19

	उज्जैन जिला					रतलाम जिला			
क्रं	वर्ष	महिला	पुरुष	कुल हित ग्राही	क्रं	वर्ष	महिला	पुरुष	कुल हित ग्राही
1	2014-15	9	22	31	1	2014-15	4	9	13
2	2015-16	16	30	46	2	2015-16	12	22	34
3	2016-17	19	33	52	3	2016-17	10	22	32
4	2017-18	25	31	56	4	2017-18	15	17	32
5	2018-19	13	27	40	5	2018-19	9	17	26
	कुल	82	143	225		कुल	50	87	137

आरेख 1:उज्जैन एवं रतलाम जिले में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना कालिंग के आधार पर तुलनात्मक अध्ययनवर्ष 2014-15 से 2018-19

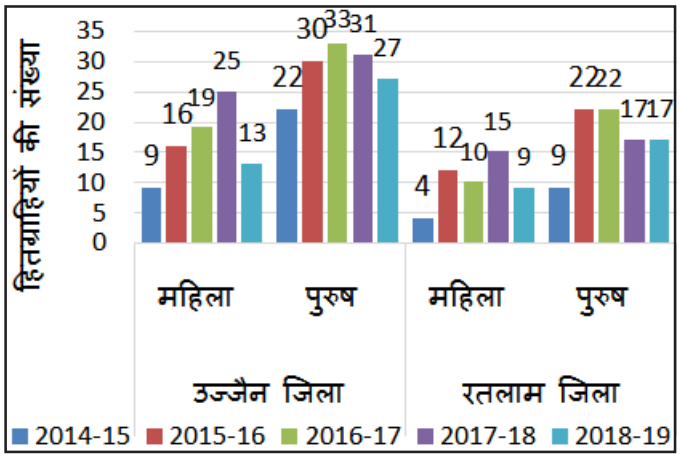

सर्वेक्षित तालिका क्रं. 1 के आधार पर उज्जैन एवं रतलाम जिले के मध्य मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का लिंग (महिला एवं पुरुष) के आधार पर, वर्ष 2014-15 से 2018-19 तक, तुलनात्मक अध्ययन करने पर निम्नलिखित बिन्दु ज्ञात हुए हैं-

1.1 उज्जैन एवं रतलाम जिले के मध्य महिला हितग्राहियों की तुलना करने पर:

1. वर्ष 2014-15 में योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में 09 महिला हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में 04 महिला हितग्राही है अर्थात उक्त वर्ष में उज्जैन जिले में 05 महिला हितग्राही अधिक हैं।
2. वर्ष 2015-16 में योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में 16 महिला हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में 12 महिला हितग्राही है अर्थात उक्त वर्ष में उज्जैन जिले में 04 महिला हितग्राही अधिक हैं।
3. वर्ष 2016-17 में योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में 19 महिला हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में 10 महिला हितग्राही है अर्थात उक्त वर्ष में उज्जैन जिले में 09 महिला हितग्राही अधिक हैं।
4. वर्ष 2017-18 में योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में 25 महिला हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में 15 महिला हितग्राही है अर्थात उक्त वर्ष में उज्जैन जिले में 10 महिला हितग्राही अधिक हैं।
5. वर्ष 2018-19 में योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में 13 महिला हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में 09 महिला हितग्राही है अर्थात उक्त वर्ष में उज्जैन जिले में 04 महिला हितग्राही अधिक हैं।

वर्ष 2014-15 से 2018-19 तक के पाँच वर्षों में उज्जैन जिले में कुल 82 महिला तथा वर्ष 2014-15 से 2018-19 तक के पाँच वर्षों में रतलाम जिले में कुल 50 महिला हितग्राही हुई हैं। अत: यह स्पष्टतया कहा जा सकता है कि रतलाम जिले की तुलना में उज्जैन जिले में 32 महिला हितग्राहियों ने अधिक संख्या में योजना का लाभ उठाया है तथा उज्जैन एवं रतलाम जिले में कुल 132 महिला हितग्राहियों में उज्जैन जिले में 62.12 प्रतिशत तथा रतलाम जिले में 37.88 प्रतिशत युवा उद्यमी हैं। इस प्रकार उज्जैन जिले में 24.24 प्रतिशत हितग्राही अधिक हैं।

तालिका 2: उज्जैन एवं रतलाम जिले के मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना कालिंग के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन वर्ष 2014-15 से 2018-19

	उज्जैन जिला				रतलाम जिला				
क्रं	वर्ष	महिला	पुरुष	कुल हितग्राही	क्रं	वर्ष	महिला	पुरुष	कुल हितग्राही
1	2014-15	177	369	546	1	2014-15	160	242	402
2	2015-16	239	447	686	2	2015-16	264	316	580
3	2016-17	257	483	740	3	2016-17	245	357	602
4	2017-18	325	580	905	4	2017-18	301	437	738
5	2018-19	232	436	668	5	2018-19	144	211	355
	कुल	1230	2315	3545	कुल		1114	1563	2677

आरेख 2 : उज्जैन एवं रतलाम जिले के मध्य महिला हितग्राहियों का अध्ययन वर्ष 2014-15 से 2018-19

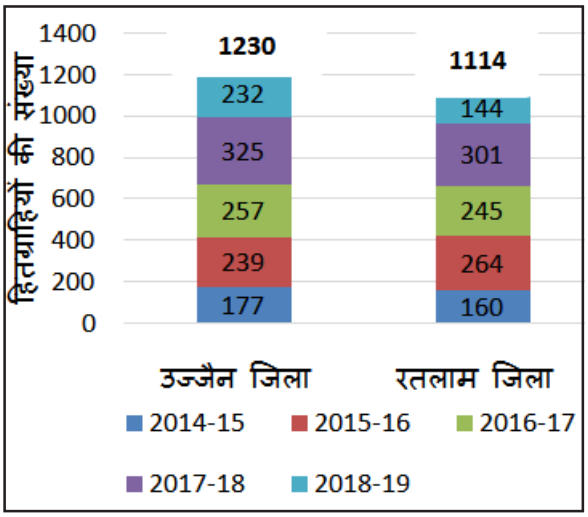

सर्वेक्षित तालिका क्रं. 2 के आधार पर उज्जैन एवं रतलाम जिले के मध्य मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का लिंग (महिला एवं पुरुष) के आधार पर, वर्ष 2014-15 से 2018-19 तक, तुलनात्मक अध्ययन करने पर निम्नलिखित बिन्दु ज्ञात हुए हैं-

2.1 उज्जैन एवं रतलाम जिले के मध्य महिला हितग्राहियों की तुलना करने पर:

1. वर्ष 2014-15 में योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में 177 महिला हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में 160 महिला हितग्राही है अर्थात उक्त वर्ष में उज्जैन जिले में 17 महिला हितग्राही अधिक हैं।
2. वर्ष 2015-16 में योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में 239 महिला हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में 264 महिला हितग्राही है अर्थात उक्त वर्ष में रतलाम जिले में 25 महिला हितग्राही अधिक हैं।
3. वर्ष 2016-17 में योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में 257 महिला हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में 245 महिला हितग्राही है अर्थात उक्त वर्ष में उज्जैन जिले में 12 महिला हितग्राही अधिक हैं।
4. वर्ष 2017-18 में योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में 325 महिला हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में 301 महिला हितग्राही है अर्थात उक्त वर्ष में उज्जैन जिले में 24 महिला हितग्राही अधिक हैं।
5. वर्ष 2018-19 में योजना के अंतर्गत उज्जैन जिले में 232 महिला

हितग्राही है, जबकि रतलाम जिले में 144 महिला हितग्राही है अर्थात उक्त वर्ष में उज्जैन जिले में 88 महिला हितग्राही अधिक हैं।

वर्ष 2014-15 से 2018-19 तक के पाँच वर्षों में उज्जैन जिले में कुल 1230 महिला तथा वर्ष 2014-15 से 2018-19 तक के पाँच वर्षों में रतलाम जिले में कुल 1114 महिला हितग्राही हुई हैं। अत: यह स्पष्टतया कहा जा सकता है कि रतलाम जिले की तुलना में उज्जैन जिले में 116 महिला हितग्राहियों ने अधिक संख्या में योजना का लाभ उठाया है तथा उज्जैन एवं रतलाम जिले में कुल 2344 महिला हितग्राहियों में उज्जैन जिले में 52.47 प्रतिशत तथा रतलाम जिले में 47.53 प्रतिशत युवा उद्यमी हैं। इस प्रकार उज्जैन जिले में 4.94 प्रतिशत हितग्राही अधिक हैं।

तालिका 3: उज्जैन एवं रतलाम जिले में मुख्यमंत्री कृषक उद्यमी योजना का लिंग के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन वर्ष 2018-19

उज्जैन जिला					रतलाम जिला				
क्रं	निकाय का नाम	महिला	पुरुष	कुल	क्रं	निकाय का नाम	महिला	पुरुष	कुल
1	2018-2019	5	11	16	1	2018-2019	6	6	12
	कुल	5	11	16		कुल	6	6	12

स्रोत: - जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, उज्जैन एवं रतलाम

आरेख 3 : उज्जैन एवं रतलाम जिले में मुख्यमंत्री कृषक उद्यमी योजना का लिंग के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन वर्ष 2018-19

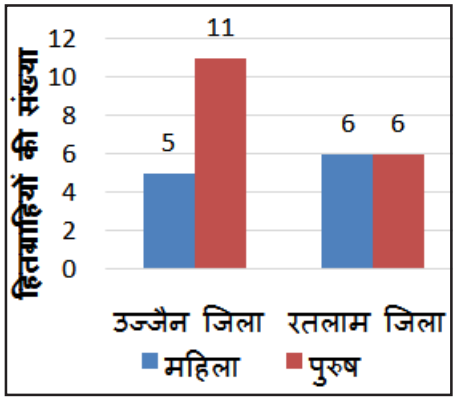

सर्वेक्षित तालिका क्रं. 3 के आधार पर उज्जैन और रतलामजिले के मध्य मुख्यमंत्री कृषक उद्यमी योजना का लिंग (महिला एवं पुरुष) के आधार पर, वर्ष 2018-19 का, तुलनात्मक अध्ययन करने पर निम्नलिखित बिन्दु ज्ञात हुए है-

3.1 वर्ष 2018-19 में उज्जैन जिले में कुल 05 महिला हितग्राही तथा रतलाम जिले में कुल 06 महिला हितग्राही हुए है। अत: यह स्पष्टतया कहा जा सकता है कि उज्जैन जिले की तुलना में रतलाम जिले में 01 महिला हितग्राही अधिक रही है तथा उज्जैन एवं रतलाम जिले में कुल 11 हितग्राहियों में उज्जैन जिले में 45.45 प्रतिशत तथा रतलाम जिले में 54.55 प्रतिशत महिला हितग्राही है। इस प्रकार रतलाम जिले में 9.10 प्रतिशत महिला हितग्राही अधिक है।

3.2 वर्ष 2018-19 में उज्जैन जिले में कुल 11 पुरुष हितग्राही है तथा रतलाम जिले में कुल 6 पुरुष हितग्राही हुए है। अत: यह स्पष्टतया कहा जा सकता है कि रतलाम जिले की तुलना में उज्जैन जिले में 05 पुरुषों ने अधिक संख्या में योजना का लाभ उठाया है तथा उज्जैन एवं रतलाम जिले में कुल 17 पुरुष हितग्राहियों में उज्जैन जिले में 64.71 प्रतिशत तथा रतलाम जिले में 35.29 प्रतिशत पुरुष हितग्राही है। इस प्रकार उज्जैन जिले में 29.42 प्रतिशत पुरुष हितग्राही अधिक है।

3.3 वर्ष 2018-19 में उज्जैन जिले में कुल 16 एवं रतलाम जिले में कुल 12 हितग्राही हुए है। अत: यह स्पष्टतया कहा जा सकता है कि रतलाम जिले की तुलना में उज्जैन जिले में 04 हितग्राहियों ने अधिक संख्या में इस योजना का लाभ उठाया है तथा उज्जैन एवं रतलाम जिले में कुल 28 हितग्राहियों में उज्जैन जिले में 57.14 प्रतिशत तथा रतलाम जिले में 42.86 प्रतिशत हितग्राही कृषक उद्यमी है। इस प्रकार उज्जैन जिले में 14.28 प्रतिशत हितग्राही अधिक है।

शोध परिकल्पना

H_1: युवा वर्ग उद्यमिता तथा स्टार्ट-अप की ओर आकर्षित हो रहा है।

H_{01}: जिलेवार विभिन्न आयु वर्ग के हितग्राहियों के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।

H_{01}:जिलेवार विभिन्न आयु वर्ग के हितग्राहियों के मध्य कोई सार्थक अंतर है।

तालिका क्रमांक 4: चयनित योजनाओं का आयु वर्ग के आधार पर विश्लेषण

योजनाओं के नाम	आयु वर्ग	उज्जैन जिला		रतलाम जिला	
		आवृत्ति	प्रतिशत	आवृत्ति	प्रतिशत
मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना	18-25	19	38	12	24
	26-30	15	30	13	26
	31-35	11	22	16	32
	36-40	5	10	9	18
मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना	18-25	20	40	14	28
	26-30	14	28	11	22
	31-35	10	20	18	36
	36-40	6	12	7	14
	41-45	0	0	0	0
मुख्यमंत्री कृषक उद्यमी योजना	18-25	6	33.33	5	35.71
	26-30	4	22.22	3	21.43
	31-35	5	27.78	4	28.57
	36-40	3	16.67	2	14.29
	41-45	0	0	0	0

स्त्रोत - व्यक्तिगत सर्वेक्षण के आधार पर

तालिका (अन्तिम पृष्ठ पर देखे)

तालिका से स्पष्ट है की F Value = 5.021 (Sig. .001) है जो और 0.05 Level और df1 = 27पर सार्थक है। अत: यह स्पष्ट है की युवा वर्ग उद्यमिता तथा स्टार्ट-अप की ओर आकर्षित हो रहा है। अत: उपकल्पनाH1स्वीकार होती है।

मुख्य निष्कर्ष - यह तुलनात्मक अध्ययन दर्शाता है कि उज्जैन और रतलाम दोनों जिलों में रोजगार मूलक योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, लेकिन उज्जैन जिले की प्रगति अपेक्षाकृत अधिक रही। इसका कारण वहाँ की जागरूकता, प्रशासनिक सहयोग और संसाधनों की उपलब्धता है। रतलाम जिले में सुधार की संभावना है, विशेषकर महिला उद्यमियों और

पिछड़े वर्गों की भागीदारी बढ़ाने में।

समग्र रूप से कहा जा सकता है कि यदि योजनाओं का क्रियान्वयन और अधिक प्रभावी बनाया जाए, तो ये न केवल बेरोजगारी कम करने में सहायक होंगी, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाएंगी।

1. उज्जैन जिले में योजनाओं का लाभ लेने वाले लाभार्थियों की संख्या रतलाम जिले से अधिक रही।
2. महिला उद्यमियों की भागीदारी दोनों जिलों में बढ़ रही है, परंतु पुरुषों की तुलना में अभी भी कम है।
3. बैंकों द्वारा स्वीकृत और वितरित राशि दोनों जिलों में लक्ष्य के अनुरूप रही, किंतु उज्जैन जिले को अपेक्षाकृत अधिकवित्तीय सहयोग प्राप्त हुआ।
4. शिक्षा के आधार पर देखा गया कि स्नातक और स्नातकोत्तार वर्ग के युवाओं ने योजनाओं का सर्वाधिक लाभ उठाया।
5. लाभार्थियों ने योजनाओं को भविष्य में भी अपनाने की इच्छा व्यक्त की, जो योजनाओं की स्वीकार्यता को दर्शाता है।

सुझाव :

1. ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं के प्रचार-प्रसार को और प्रभावी बनाया जाए।
2. महिला उद्यमियों को विशेष प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान की जाए।
3. बैंकिंग प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी किया जाए।
4. योजनाओं की निरंतर निगरानी एवं मूल्यांकन से उनकी प्रभावशीलता बढ़ाई जाए।
5. युवा वर्ग को नवाचार आधारित स्टार्ट-अप्स हेतु प्रोत्साहित किया जाए।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. चौधरी, के. (2020), 'भारत में उद्यमिता और स्वरोजगार योजनाएँ: एक अध्ययन' वाराणसी: ज्ञानभारती प्रकाशन।
2. पटेल, एन. (2021), 'ग्रामीण भारत में रोजगार के अवसर और शासकीय योजनाओं की भूमिका' इंदौर: लोकशक्ति पब्लिकेशन।
3. मध्य प्रदेश योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग। (2020), राज्य स्तरीय रोजगार मूलक योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट 2014-2019. भोपाल: शासन प्रकाशन।
4. विश्व बैंक। (2019),'भारत में स्वरोजगार और कौशल विकास कार्यक्रमों का तुलनात्मक अध्ययन' नई दिल्ली: विश्व बैंक रिपोर्ट।
5. सेन, आर. (2022),'महिला उद्यमिता और रोजगार योजनाएँ: चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ' कोलकाता: साहित्य मंथन।
6. जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, उज्जैन एवं रतलाम। (2019), वार्षिक रिपोर्ट एवं योजनाओं का तुलनात्मक विवरण।

अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय जर्नल्स:

1. Journal of Indian Accounting Association. ISSN 0972-1479 (National).
2. Madhya Pradesh journal of Social Sciences. ISSN 0973-855X (National).

वेबसाईट्स:

1. en.m.wikipdia.org>wiki>Neemuch.
2. https//book.google.co.in.

Descriptive

Frequency		N	Mean	Std. Devia -tion	Std. Error	95% Confidence Interval for Mean		Mini mum	Maxi mum	Between Component Variance
						Lower Bound	Upper Bound			
18-25		6	9.21	5.23	1.956	3.55	14.2	5	20	
26-30		6	12.32	4.376	1.582	7.88	15.95	3	15	
31-35		6	12.48	6.02	2.88	7.05	18.16	4	18	
36-40		6	5.78	4.83	1.493	2.2	11.57	2	9	
41-45		4	0	0	0	0	0	0	0	
Total		28	8.68	5.669	1.06	7.86	16.19	0	20	
Model	Fixed Effects			4.684	0.249	4.387	10.61			
	Random Effects				3.245	1.86	14.92			19.532

ANOVA

Frequency	Sum of Squares	df	Mean Square	F	Sig.
Between Groups	497.208	4	124.302	5.021	0.001
Within Groups	485.369	23	21.103		
Total	982.577	27			

****